UGC Approved Journal
© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 1 | January - March 2017

परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति मेरठ जनपद के पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का शैक्षिक–स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

डा0 इन्दिरा सिंह
वरिष्ठ आचार्या
किशन इन्सटीट्यूट आफ टीचर्स एजूकेशन, मेरठ

सारांश

Keywords: परिवार नियोजन, जन्म नियन्त्रण, पुरूष, एवं महिला अभिभावक, अभिवृत्ति, शैक्षिक–स्तर।

भारत में तीव्र गति से जनसंख्या वृद्धि अत्यन्त लम्बे समय से भारतीय सरकार के लिए चिन्ता का विषय रही है। स्वतन्त्रता प्राप्ति के प्श्चात् 1949 में भारत में 'नियोजन संघ' की स्थापना की गयी। इसके पश्चात् वर्ष 1952 में पूरे देश में अत्यन्त विस्तृत एवं तीव्र रूप से परिवार नियोजन कार्यक्रम को प्रारम्भ किया गया। इसके अन्तर्गत 'जन्म नियन्त्रण कार्यक्रमों (Birth control programmes) को सम्मिलित किया गया। राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 (National Population Policy, 2000) में भारतीय सरकार द्वारा वर्ष 2010 तक गर्भ निरोधन उपायों द्वारा जनसंख्या को नियन्त्रित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। परिवार नियोजन/परिवार कल्याण कार्यक्रम (Family Planning/Family Welfare Programme, EWP) केन्द्र द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम है जो देश के सभी राज्यों में परिवार नियोजन के सम्बन्ध में शत्–प्रतिशत सहायत प्रदान कर रहा है। भारतवर्ष में परिवार सम्बन्धी शेध कार्य शैशवावस्था में ही है। इसलिए शोध्कर्त्री ने उक्त विषय को शोध का अधार बनाया। प्रस्तुत अध्ययन में परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति मेरठ जनपद के पुष्य एवं महिल अभिभावकों की अभिवृत्ति का शैक्षिक – स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

(1) भूमिका

किसी भी देश की समृद्धि का ताना–बाना तभी बेहतर से बुना जा सकता है जब उसकी सकल आबाद तथा उपलब्ध संसाधनों के बीच एक व्यवस्थित संतुलन हो। दोनों की स्थिति का पृथक्–पृथक् मूल्यांकन तथा उनको एक इकाई के रूप में नियंत्रित करना दोनों के साथ न्याय नहीं कर पाना है। आवश्यकता इस बात की है कि देनों की पारस्परिकता का वास्तविक अवलोकन करते हुए एक साथ दोनों के लिए सही योजनाएँ बनाई जाएँ तथा उनका क्रियान्वयन किया जाए। यूँ तो हर कोई जानता और समझता है कि परिवार में अधिक बच्चों का होना ठीक नहीं है। इससे माँ और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके साथ ही साथ– परिवार में बच्चों के सम्पूर्ण विकास में अधिक बच्चों का

होना बाधक होता है। लेकिन आज भी ऐसे अनेक परिवार है जो अधिक बच्चों क होना परिवार का बलशाली हेना मानते है। और राष्ट्र के लिए इससे उत्पन्न होने वली समस्याओं और खतरों से बेखबर हैं।

भारत में तीव्र गति से जनसंख्या वृद्धि अत्यन्त लम्बे समय से भरतीय सरकार के लिए चिन्त का विष्य रही है। स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चत् वर्ष 1949 में भारत में 'परिवार नियोजन संघ' की स्थापना की गयी। इसके प्श्चात् वर्ष 1952 में पूरे देश। में उत्यन्त विस्तृत एवं तीव्र रूप से परिवार नियोजन कार्यकृम को प्रारम्भ किया गया। वर्ष 1966 में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा पृथक् रू॰ से परिवार–नियोजन विभाग की स्थापना की गयी। 'राष्ट्रीय जनसंख्या नीति'(National Population Policy,2000) में भारतीय सरकार द्वारा वर्ष तद्हेतु 60 पुरूष अभिभावक (30 हाईस्कूल, 30 परास्नातक) तथा 60 महिला अभिभावक (30 हाईस्कूल, 30उ परास्नातक) कुल 120 अभिभावनों को चयन यादि्दचछिकी न्यादर्शन विधि द्वारा किया गया। अभिभावकों की अभिवृत्ति के स्तर को समानकीकृत परीक्षण द्वारा ज्ञात किया गया तथा तुलनात्मक अध्ययन में मध्यमान, मानक विचलन तथा 'टी' परिक्षण का प्रयोग किया है। संकलित आँकड़ों के विश्लेषण से परिवार–नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष तथा महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में शिक्षा आधारित तुलना में कोई सार्थन अन्तर प्राप्त नहीं हुआ।

2010 तक गर्भ निरोधन उपायों द्वारा जनसंख्या को नियन्त्रित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। परिवार नियोजन/परिवार कल्याण कार्यक्रम (Family Planning/Family Welfare Programme, FWP) के न्द्र द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम है जो देश के सभी राज्यों में परिवार नियोजन के सम्बन्ध मेकं शत्–प्रतिशत सहायता प्रदान कर रहा है।

भारत में परिवार नियोजन सम्बन्धी अनेक शोध कार्य हुए है इसी के साथ इस अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इस विषय पर अनेकों शोध कार्य हुए हैं। रेड्डी (2003) ने परिवार नियोजन के प्रति विवाहित पुरूषों की अभिवृत्ति सकारात्मक पायी। काजी (2006) ने परिवार नियोजन कार्यक्रम की सफलता हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता को आवश्यक बताया। मऊ (2006) ने महिलाओं को परिवार नियोजन साधनों के प्रयोग से संतुष्ट बताया। प्राची (2008) ने यह पाया कि महिलाओं को परिवार नियोजन तथा गर्मनिरोधन के सम्बन्ध में पर्याप्त ज्ञान था। डींगरा(2010) ने ग्रामीण महिलाओं में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता का अभाव बताया। जबकि श्रीयोटच (2010) को ग्रामीण महिलाओं की परिवार नियोजन के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति प्राप्त हुई। रौफियू (2013) के अनुसार दम्पत्तियों का परिवार–नियोजन के प्रति ज्ञान व जागरूकता का स्तर उच्च था लेकिन उसे व्यवहार में लाने का स्तर निम्न था। रेशमा (2015) ने ग्रामीण विवाहित महिलाओं मं परिवार नियोजन विधियों के ज्ञान तथा व्यवहार में पर्याप्त जारूकता का अभाव पाया। शोधकर्त्री को परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण पुरूष एवं महिला अभिभावकों की शैक्षिक स्तर के आधार से सम्बन्धित कोई भी अध्ययन प्राप्त नहीं हुआ इसलिए शोधकर्त्री ने उक्त विषय को शोध का आधार बनाया।

UGC Approved Journal
© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 1 | January - March 2017

2. अध्ययन के उद्देश्य–प्रस्तावित अध्ययन के निम्नवत् उद्देश्य निर्धारित किए गए–

1. परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति का शिक्षा के स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

2. परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का शिक्षा के स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

3. परिवार–निचोजन तथा जन्म–नियन्त्रण के प्रति पूरूष एवं महिला अभिभावकां की अभिवृत्ति का शिक्षा के स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

3. परिकल्पना–परिकल्पना अनुसंधान प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है। प्रंस्तुत शोध हेतु परिकल्पनाओं का निर्धारण इस प्रकार किया गया–

1. परिवार– नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृप्ति में शिक्षा आधारित तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

2. परिवार–नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति महिला अभिभावक को की अभिवृत्ति में शिक्षा आधारित तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

3. परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में शिक्षा आधारित तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

4. शोध का परिसीमन–

1. प्रस्तुत शोध को पश्चिमी उ0 प्र0 के मेरठ जनपद तक ही सीमित रखा गया है।

2. परिवान सनियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं समहिला अभिभावको की अभिवृत्ति मापन हेतु कुल 120 पुरूष एवं महिला अभिभावकों का चयन (60 पुरूष अभिभावक 160 महिला अथीभावक) न्यादर्श हेतु किया गया है।

3. शिक्षा के आधार पर हाईस्कूल एवं स्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त पुरूष एवं महिला अभिभावकों की परिवार नियोजन तथा जन्म–नियन्त्रण के प्रति अभिवृत्ति यका मापन किया गया है।

5. प्रतिदर्श– प्रस्तुत शोध में मेरठ जनपद के 60 पुरूष अभिभावक (30 हाई स्कूल + 30 स्नातक=कुल 60) तथा 60 महिला अभिभवक (30 हाईस्कूल + 30 स्नातक = 60 कुल 120 अभीभावकों का चयन सम्भाव्यता पर आधारित 'यादि्दच्छकी न्यादर्श चयन' विधि द्वारा किया गया। शोधकर्त्री द्वारा चयनित न्यादर्श का वितरण सारणी–1 में प्रस्तुत है।

सारणी–1

अभिवृत्ति मापन हेतु अभिभावकां का वर्गीकरण

UGC Approved Journal
© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 1 | January - March 2017

पुरूष अभिभावक =60
महिला अभिभावक=60
कुल =120

पुरूष अभिभावक (60)	महिला अभिभावक (60)
हाईस्कूल (30)	हाईस्कूल (30)
परास्नातक (30) कुल 60	परास्नातक (30) कुल 60

6. शोध उपकरण– प्रस्तुत शोध हेतु निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्रयुक्त उपकरण इस प्रकार हैं– परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति जानने हेतु एम0 राजामानकिकम सद्वारा निर्मित ''फैमिली प्लानिंग एण्ड बर्थ कन्ट्रोल एटीट्यूड सकेल'' (Family Planning and Birth Control Attitude Scale) नामक परीक्षण का प्रयोग किया। मूल रूप से यह अभिवृत्ति मापनी अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध थी लेकिन शोधकर्त्री ने इसका हिन्दी भाषा में अनुवाद किया तथा मापनी भरते समय अभिभावकों को भाषा की समस्या का सामना न करना पड़े।

7. प्रदत्त संग्रह–प्रस्तुत शोध में प्रदत्त संकलन हेतु सर्वेक्षण की विश्लेषणात्मक विधि का प्रयोग किया गया।

8. फलांकन– उक्त अभिवृत्ति मापनी को पुरूष एवं महिला पर प्रशासित कर उनकी प्रतिक्रियाओं के आधार पर प्राप्तांक प्राप्त किए जिससे अभिवृत्ति का वर्गीकरण सारणी–2 में प्रस्तुत है–

सारणी–2

प्राप्ताकों के आधार पर अभिवृत्ति का वर्गीकरण

क्र. सं0	प्राप्तांक	अभिवृत्ति का स्तर
1	289–320	उच्च सकारात्मक अभिवृत्ति
2	225–288	सामान्य सकारात्मक अभिवृत्ति
3	161–224	तटस्थ अभिवृत्ति
4	97–160	सामान्य नाकारात्मक अभिवृत्ति
5	64–96	उच्च नाकारात्मक अभिवृत्ति

उक्त अभिवृत्ति मापनी में प्रत्येक पद के फलांकन हेतु लिकर्ट तकनीक का प्रयोग किया गया। मापनी सके कथन ससकारात्मक व नकारात्मक दो श्रेणियों में विभाजित थे तथा इसके फलांकन हेतु पांच बिन्दु निर्धारण मापनी प्रयोग में लायी।

9. प्रयुक्त सांख्यिकी विधियाँ– प्रदत्तों का विश्लेषण करने के लिए जिन सांखियकीय विधियों का प्रयोग किया गया, वे इस प्रकार है–

UGC Approved Journal
© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 1 | January - March 2017

1. परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति सम्बन्धित प्रदत्तों का विश्लेषण अभिवृत्ति मापनी के आधार पर एम0 राजामानिककम द्वारा निर्धारित मानकों की सहायता से किया गया।
2. परिवार तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकां की अभिवृत्ति के तुलनात्मक अध्ययन के मध्यमान (Mean), मानक विचलन (Mean), फाई स्क्वायर $\left(X^2\right)$ तथा 'टी' परक्षण ('t' test) का प्रयोग किया गया।

1. $M = \frac{\sum fx}{N}$
2. $S.D = \sqrt{\frac{\sum fd^2}{N} - \left(\frac{\sum fd^2}{N}\right) \times c.i}$
3. $t = \frac{P^1}{\sigma p^1} - \frac{P^2}{p^2}$ (प्रतिशत द्वारा अन्तर की सार्थकता ज्ञात करने का सूत्र)
4. $X^2 = \frac{N(AD - BC)2}{(A+B)(C+D)(A+C)(B+D)}$ $(2 \times 2$ आसंग सारणी से कार्ड वर्ग की गणना)
5. सार्थकता स्तर– प्रस्तुत अध्ययन में परिकल्पनाओं का परिक्षण 0.05 तथा 0.01 स्तरों पर किया गया है।

10 पदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या– प्रयुक्त विधियों एवं प्रविधियों के अनुसार संकलित आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं उसके परिणामों का आंकलन इस प्रकार है–

1. प्रस्तुत अध्ययन का पहला उद्देशय परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति का शिक्षा के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना था। निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति हेतु 'औसत प्राप्तांक' प्रतिशत एवं 'टी' (t) मान द्वारा प्रतिशतों के मध्य प्राप्त अन्तर की सार्थकता की जॉच की गयी, जिसे सारणी–3 में दर्शाया गया है।

UGC Approved Journal
© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 1 | January - March 2017

सारणी–3

परिवार–नियोजन तथा जन्म निपन्त्रण के प्रति पुरूष अभिभावकां की अभिवृत्ति की शिक्षा/शैक्षिक स्तर आधारित तुलना

क्र.सं	आयाम	शैक्षिकस्तर	कुल संख्या (60)	अभिवृत्ति का स्तर	औसत प्राप्तांक	प्रतिशत	प्रामाणित त्रुटि	't' प्राप्तांक	सार्थकता स्तर
1	जनसंख्या समस्या	हाई स्कूल	30	तटस्थ(190)	6.33	21.1	10.9	0.11	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	तटस्थ(200)	6.66	22.2			
2	परिवार नियोजन	हाई स्कूल	30	तटस्थ(200)	6.66	22.2	10.53	0.42	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	सामान्य सकारात्मक (240)	8	26.67			
3	जनसंख्या नियन्त्रण	हाई स्कूल	30	तटस्थ(220)	7.33	24.43	10.97	0.61	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	सामान्य सकारात्मक (280)	9.33	31.1			
4	प्रजनात्मकता नियंन्त्रण	हाई स्कूल	30	तटस्थ (180)	6	20	10.61	0.94	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	सामान्य सकारात्मक (270)	9	30			
5	जन्म नियन्त्रण विधि गर्भपात	हाई स्कूल	30	तटस्थ (200)	6.66	22.2	10.37	0.21	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	सामान्य सकारात्मक (220)	7.33	24.43			
6	गर्भ निरोधन विधि	हाई स्कूल	30	तटस्थ (186)	6.2	20.67	10.24	0.37	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	तटस्थ (199)	6.63	22.1			
7	बंध्यीकरण	हाई स्कूल	30	तटस्थ (150)	5	16.67	10.36	1.29	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	सामान्य सकारात्मक (270)	9.	30			
8	विवाह की आयु	हाई स्कूल	30	तटस्थ (180)	6	20	11.33	1.96	0.05 स्तर पर सार्थन अन्तर
		परास्नातक	30	उच्च सकारात्मक (320)	12.66	42.2			

आपेक्षित 'टी' मान – 0.05 स्तर पर 1.96, 0.01 स्तर पर 2.58

सारणी स3 के अनुशीलन से यह स्पष्ट होता है कि परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति की सशैक्षिक स्तर के आधार पर तुलना करने पर मात्र एक आयाम 'विवाह की आयु – पर 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ जेबकि अन्य आयामों पर किसी भी स्तर पर सार्थक अन्तर प्राप्त नहीं हुआ।

UGC Approved Journal
© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 1 | January - March 2017

2. प्रस्तुत अध्ययन का दूसरा उद्देश्य परिवार–नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति महिला अभिभावकों का शिक्षा के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना था। निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति है। तु ' औसत प्राप्तांक', ' प्रतिशत एवं 'टी' प्राप्तांक का प्रयोग किया गया है। प्रतिशत के आधार सपर 'टी' का मान द्वारा प्रतिशतों के मध्य प्राप्त अन्तर की सार्थकता की जाँच की गयी, जिसे सारणी–4 में दर्शाया गया है–

सारणी–4

परिवार–नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति की शिक्षा/शैक्षिक स्तर आधारित तुलना

क्र.सं	आयाम	शैक्षिकस्तर	कुल संख्या (60)	अभिवृत्ति का स्तर	औसत प्राप्तांक	प्रतिशत	प्रामाणित त्रुटि	't' प्राप्तांक	सार्थकता स्तर
1	जनसंख्या समस्या	हाई स्कूल	30	तटस्थ(100)	6	20	10.18	0.44	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	तटस्थ(220)	7.33	24.43			
2	परिवार नियोजन	हाई स्कूल	30	तटस्थ(200)	6.66	22.2	10.97	1.01	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	उच्च सकारात्मक (300)	10	33.33			
3	जनसंख्या नियन्त्रण	हाई स्कूल	30	तटस्थ(200)	6.66	22.2	10.27	1.11	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	तटस्थ(210)	7	23.33			
4	प्रजनात्मकता नियंन्त्रण	हाई स्कूल	30	तटस्थ (180)	6	20	9.99	0.21	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	तटस्थ(199)	6.63	22.1			
5	गर्भ निरोधन विधि	हाई स्कूल	30	तटस्थ (210)	7	23.33	11.16	1.09	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	उच्च सकारात्मक (320)	10.66	35.53			
6	जन्म नियन्त्रण विधि गर्भपात	हाई स्कूल	30	तटस्थ (200)	7.33	24.43	11.10	0.80	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	उच्च सकारात्मक (300)	10	33.33			
7	बंध्यीकरण	हाई स्कूल	30	तटस्थ (199)	6.33	22.1	10.26	0.12	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	तटस्थ (210)	7	23.3			
8	विवाह की आयु	हाई स्कूल	30	तटस्थ (200)	6.66	22.2	10.37	0.21	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	तटस्थ (200)	7.33	24.43			

UGC Approved Journal
© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 1 | January - March 2017

आपेक्षित 'टी' मान – 0.05 स्तर पर 1.96, 0.01 स्तर पर 2.58

2. सारणी सं.4 के अनुशीलन से यह स्पष्ट होता है कि परिवार नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति की शैक्षिक स्तर के आधार पर तुलना करने पर किसी भी आयाम पर सार्थक अन्तर प्राप्त नहीं हुआ। इस आधार पर परिकल्पना–2 स्वीकृत नहीं हुई।

3. प्रस्तुत अध्ययन का तीसरा उद्देश्य परिवार–नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति पुरूष सएव एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का शिक्षा के स्तर के आधार पर तुलनात्मक सअध्ययन करना प्रस्तावित सयथा। निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति हेतु : X^2 समान $(2\times2$ तालिका) का प्रयोंग किया गया। परिवार नियोजन तथा जन्म सयनियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति के तुलनात्मक अध्ययन को सारणी–5 में दर्शाया गया है–

सारणी–5

परिवार–नियोजन तथा जन्म–नियन्त्रण के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का शिक्षा/शैक्षिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन–

क्र.सं	आयाम	क्षेत्र	कुल संख्याा (120)		औसत प्राप्तांक		X^2 का मान	सार्थकता स्तर
			पुरूष	महिला	पुरूष	महिला		
1	जनसंख्या समस्या	हाई स्कूल	30	30	6.33	6	0.04	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	30	6.66	7.33		
2	परिवार नियोजन	हाई स्कूल	30	30	6.66	6.66	0.09	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	30	8	10		
3	जनसंख्या नियन्त्रण	हाई स्कूल	30	30	7.33	6.66	0.06	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	30	9.33	7		
4	प्रजनात्मकता नियंन्त्रण	हाई स्कूल	30	30	6	6	0.15	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	30	9	6.63		
5	जन्म नियन्त्रण विधि गर्भपात	हाई स्कूल	30	30	6.66	7.33	0.09	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	30	7.33	10		
6	गर्भ निरोधन विधि	हाई स्कूल	30	30	6.12	7	0.23	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	30	6.63	10.66		
7	बंध्यीकरण	हाई स्कूल	30	30	5	6.63	0.47	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	30	9.	7		

8	विवाह की आयु	हाई स्कूल	30	30	6	6.66	0.80	सार्थक अन्तर नहीं
		परास्नातक	30	30	12.66	7ण्33		

आपेक्षित ' X^2 मान – 0.05 स्तर पर 3.841, 0.01 स्तर पर 6.635

सारणी–5 के अनुशीलन से यह स्पष्ट है कि परिवार–नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के समस्त आयामों पर X^2 का मान क्रमशः 0.04, 0.09, 0.06, 0.15, 0.09, 0.23, 0.47, तथा 0.80 प्राप्त हुआ। प्राप्त ट का मान अपेक्षित सारणीकृत मान से कम है। अतः परिवार–नियोजन तथा जन्म नियन्त्रण के प्रति हाई स्कूल एवं परास्नातक मुरूष तथा महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में सार्थिक अन्तर प्राप्त नहीं हुआ। सइस आधार पर शोध परिकल्पना –3 स्वीकृत हुयी।

शैक्षिक निस्तिार्थ–

प्रस्तुत अध्ययन तथा उससे प्राप्त परिणाम प्रत्यक्ष एवं अप्रत्वयक्ष रूप से सभी के लिए उपयोगी हैं। सर्वप्रथम शैक्षिक क्षेत्र में इसकी उपादेयता एवं महत्व को किसी भी रूप में नकारा नहीं जा सकता। वर्तमान में जनसंख्या समस्या सम्बन्धी विषयों पर अनेक गोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा व्याख्या मालाओं का आयोजन किया जाता है पर क्या वास्तव में उनसे कुछ संतोषजनक तथा प्रभावी परिणाम निर्गत होते है। जिससे सयजनमानस का भला हो क्योंकि वे गोष्ठियाँ सकाचर्यशालएँ तथा व्याख्यानमालाएँ तो सिर्फ प्रम2ख वर्ग के लिए होती है। ऐसे में आवश्यक है कि शिक्षा विभाग से जुड़े व्यक्तियों द्वारा ऐसे कार्यक्रमों का संचालन किया जाए जिससे विद्यार्थियों के महत्व से भली भॉति परिचित हो। ये कार्य शिक्षक सर्वाधिक सरलता व सुयोग्यता से कर सकता है क्योंकि शिक्षक के विचारों में प्रत्येक व्यक्ति की आस्था होती है

References

1) Anderson, J.et.al.(1986), Thesis and Assignment writing. I, New Delhi: wiley Eastern Limited.
2) Best, John w.s. Kahn, James V (1986). Research in education, New Delhi: Percentile Hall of India Privated Limited.
3. Dhingra, Rajni et.al. (2010), 'Attitude of Couple Towards Family Planning'. *Jhum Ecol*, 30(1): 63-70, Retrieved from http://www.krepulishers.com Accessed on 03/06/15.
4. Kazi, Kulsoom (2006), 'A study of Knowledge', Attitude and Practice (KAP) of Family Planning Among the women of Rural Karachi.' Retrieved from http://www.erpaints.hec.gov.pk. Accessed on 18/05/15.
5. Mao. J. (2006). 'Knowledge. Attiude and Practice of Family Planning': A study of Tezu Village Manipur (India).' *The International Journal of Biological Anthropology*. I (I): Retreieved from http://www.ispub.com Accessed on 20/05/15.
6. Prachi, Renjhen et.al (2008). 'A Study of knowledge, Attitude and Practice of Family Planning Among the women of Reproductive Age Group in Sikkim.' *The Journal of obstetrics And Gynecology of India*, 58(1): 63-67. Retreived from http://www.researchgate.net. Accessed on 02/06/15.

7. Reddy, Rajesh et.al. (2003), 'Rapid Appraisal of Knowledge, Attitude and Practices Related to Family Planning Methods Among Men within 5 year of married life'. *Indian J. Prev. soc. med*, 34 (1&2): 62-67. Retreieved from http://www.medind.nic.in. Accessed on 05/06/15.
8. Reshma (2015), 'Awareness in Women Perception for Family Planning a case study of Baliyana Village (Rohtak)', *International Journal of Multidisciplinary Research and Development*, 2 (2) :161-163 Retrived from http://www.allsubjectjournal.com Accessed on 18/06/15.
9. Safimu, Adinan Bahahudeen (2013). *'Awareness and Practices of Family Planning in the wa Municipality Online Europen Journal of Business and Management'*. 5 (19) : 132-143. Retrieved from http://www.iisle.org. Accessed on 17/05/15.
10. Vtouch, Vong (2010), 'Knowledge, *Attitude and Practice (KAP) of Family Planning Among Married Women in Banteay Meanchy. Cambodia'* 103-105. Retrieved from http://www.apu.ac.jp. Accessed on 10-06-15.